हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई, 2025

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट 11

गोल्ड मेडल जीतने पर रोहित का स्वागत 12

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। साइकिल पर कांवड़ लेकर निकले नायब सैनी के समर्थक।

साइकिल कांवड़ लाएंगे नायब समर्थक

बहादुरगढ़। सीएम नायब सैनी के समर्थकों ने उनके कार्यकाल और प्रदेश की खुशहाली की कामना के साथ हरिद्वार से बहादुरगढ़ तक की साइकिल कांवड़ यात्रा शुरू की है। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी, रोहित प्रधान व जीवन सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के लंबे कार्यकाल और प्रदेश में अमन, चैन, खुशहाली की कामना से यह साइकिल पर कांवड़ ला रहे हैं। उन्होंने शिवभक्तों के लिए किए सरकारी प्रयासों को भी सराहा।

जिला व उपमंडल में समाधान शिविर आज

झज्जर। सोमवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में लगेगा, जहां डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल द्वारा नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों और समस्याओं को सुनेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली व बेरी लघु सचिवालयों में समाधान शिविर आयोजित होंगे। जहां संबंधित एसडीएम द्वारा नागरिकों की शिकायतों को सुनते हुए उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

महावीर मंदिर गली में सीवर ब्लॉक

बहादुरगढ़। अब वार्ड नंबर-24 की महावीर मंदिर वाली गली में सीवर ब्लॉकेज के कारण स्थानीय निवासी परेशान हैं। गली निवासी हनी कपूर, रुपल कपूर, राजकुमार कपूर, साहिल, राम देवी, तनु, सुमित, योमित, मुकेश देवी व यशपाल हिंदुस्तानी ने कहा कि एक महीने से गली में सीवरेज ओवरफ्लो हो रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। इससे बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने अधिकारियों से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग दोहराई।

फोन गुम होने पर पोर्टल पर करवाएं रिपोर्ट दर्ज

झज्जर। साइबर क्राइम और अपराध शाखा की कार्यप्रणाली को जांचने के लिए कि एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। मॉक ड्रिल के बाद पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने साइबर सेल को अपनी कार्य क्षमता को और सशक्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि आज का युग टेक्निकल युग है इसलिए हमें साइबर अपराधी से बचने के लिए नए-नए टेक्नालॉजियों का प्रयोग करना होगा। उन्होंने बताया कि अगर किसी का मोबाइल फोन गुम हो जाता है तो उसकी रिपोर्ट सीईआईआर पोर्टल पर जरूर करें, क्योंकि गलत हाथों में फोन जाने से उसका गलत प्रयोग भी हो सकता है।

प्रतियोगिता को आवेदन की अंतिम तिथि आज

झज्जर। प्रदेश सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कल्पना को छूने दो आसमान थीम के साथ राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त 2025 को पंचकूला के यवनिका गार्डन, सेक्टर-5 में किया जाएगा। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में 6 से 10 वर्ष तक के बच्चों को "स्टोरी टेलिंग" विषय पर पेंटिंग बनानी होगी, जबकि दूसरी श्रेणी में 11 से 16 वर्ष के प्रतिभागियों को माई विजन विषय पर चित्र बनाना होगा।

नालियों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर जमा हुआ

प्रिया कॉलोनी में जलभराव बना मुसीबत बच्चों को गली में जाने की भी मनाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नियमित साफ-सफाई न होने के कारण शहर की प्रिया कॉलोनी में नालियों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर जमा है। गली में जमा हुए इस पानी के कारण राहगीरों व कॉलोनीवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कालोनीवासी सुनील, निशांत, निशा, चंद्रावली, मंजू, मीना आदि ने बताया कि उनकी यह गली लालचंद कालोनी से होते हुए रोहतक रोड पर निकलती है।

जिस कारण अधिकांश लोगों द्वारा इसे शॉटकट के रूप में भी उपयोग किया जाता है। नियमित सफाई व गली का लेवल ऊंचा न होने के कारण नालियों का पानी हर समय गली में जमा रहता है। घरों के आगे गंदा पानी भरा होने के चलते जहां छोटे बच्चों व बड़े-बुजुर्गों के फिसलने का डर बना रहता है वहीं वे पूरा दिन बदबूदार माहौल में भी जीने को मजबूर हैं। कॉलोनी की महिलाओं का कहना है कि ऐसे में बच्चों के घर से बाहर जाने पर उन्हें विशेष निगरानी भी रखनी पड़ती है।

झज्जर। प्रिया कॉलोनी से लालचंद कालोनी जाने वाली दो गलियों में जलभराव।

झज्जर। सीएम विंडो पर लगाई गई शिकायत के साथ कॉलोनीवासी।

हालात

सीएम विंडो पर शिकायत के बाद भी समाधान नहीं

इस गली में नालियों की साफ-सफाई भी नहीं होती जिस कारण वे गंदगी से अटी पड़ी हैं। जिसके कारण जल जनित बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। कॉलोनीवासियों ने बताया सीएम विंडो में भी शिकायत दे चुके हैं लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिसके कारण लोगों का प्रशासन के प्रति रोष भी बना हुआ है। कॉलोनी के लोगों ने मांग की है कि समस्या का समाधान करवाया जाए, नहीं तो सख्त कदम उठाने पर मजबूर होंगे। उधर, इस संबंध में पार्षद प्रतिनिधि महावीर गुर्जर ने बताया कि सफाई कर्मचारी माह में करीब चार दिन आते हैं। उन दिनों में भी उनका काम दिखाई नहीं देता। वे गली की समस्या को अधिकारियों से अवगत करा चुके हैं लेकिन मिली भगत के चलते कर्मचारियों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही।

सीएम फ्लाइंग टीम ने खाद और बीज की दुकानों का किया निरीक्षण, सैंपल लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कृषि विभाग व सीएम फ्लाइंग की टीम द्वारा रविवार को शहर में खाद एवं बीज की दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में गुप्तचर विभाग व पुलिस बल भी शामिल रहा। इस दौरान फ्लाइंग टीम ने शहर के छिक्कारा चौक व पुराना बस स्टैंड रोड स्थित खाद एवं बीज वाली कई दुकानों में पहुंच कर बीज, खाद, दवाओं आदि के स्टॉक का रिकार्ड चेक किया। फ्लाइंग टीम सदस्यों द्वारा कुछ दुकानों से दवाओं के सेंपल में भी लिए।

झज्जर। निरीक्षण के दौरान दुकान में मौजूद सीएम फ्लाइंग टीम सदस्य।

मेरा केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन लांच

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि सभी बीपीएल, एएवाई राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी की जानी है ताकि भविष्य में सरकार की योजनाओं का लाभ लिया जा सके। जिसके लिए सरकार द्वारा सभी बीपीएल, एएवाई लाभार्थियों की ई-केवाईसी करने के लिए मेरा केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन लॉंच की गई है। उन्होंने बताया कि इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सभी बीपीएल, एएवाई राशन कार्ड धारक अपने मोबाइल पर ही ई-केवाईसी कर सकते हैं।

जटवाड़ा मोहल्ले से लापता बच्चे का सुराग नहीं लग पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जटवाड़ा मोहल्ला से करीब दस वर्षीय बालक लापता हो गया है। कई दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, दस वर्षीय शाकिब 15 जुलाई को अपने घर से बाहर गया था लेकिन वापस नहीं आया। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तमाम संभावित ठिकाने खंगाल डाले लेकिन शाकिब नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सिटी पुलिस भी अपने स्तर पर उसे ढूंढने का प्रयास कर रही है लेकिन शाकिब नहीं मिल सका है।

इस वजह से उसके परिजन परेशान हैं। उधर, सिटी पुलिस इस संबंध में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि बच्चे को तलाशने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

चोरों के निशाने पर दहकोरा का सरकारी स्कूल, चार माह में चोरी की छठी वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके में सरकारी स्कूल चोरों के निशाने पर हैं। अब दहकोरा गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व प्राथमिक पाठशाला में वारदात हो गई। दोनों स्कूलों से काफी सामान चुराया गया है। बीते चार महीने में यहां छठी बार चोरी की वारदात हुई है। बार-बार हो रही चोरी की वारदात सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। वारदात शुक्रवार की रात को हुई थी।

शनिवार को जब स्टाफ स्कूल पहुंचा, तो दोनों स्कूलों के गेट और कमरों के ताले टूटे हुए मिले। मौके का मुआयना करने पर सामान बिखरा पड़ा था और कई जरूरी उपकरण व सामान गायब थे। रावमा विद्यालय के भवन में ऑफिस रूम से दो बैटरी, एक सीपीयू, कंप्यूटर लैब से दो सीपीयू, एक एलईडी स्क्रीन, स्टाफ रूम से कंप्यूटर, एक भरा हुआ सिलेंडर, स्पीकर, लैंग्वेज रूम से 16 छोटी बैटरी आदि चोरी हुई हैं। जबकि प्राथमिक पाठशाला से एलईडी, दो बैट्री, स्पीकर व स्टेशनरी का सामान चुराया गया। वहीं एक एलईडी तोड़ दी गई। सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और स्कूल इंचार्ज सुभाष सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। इस स्कूल में छह मार्च के बाद से चोरी की यह छठी वारदात है। स्कूलों में रात्रि के समय कोई चौकीदार या सुरक्षाकर्मी नहीं होता, जिससे चोरों को वारदात को अंजाम देने में आसानी होती है। लगातार हो रही चोरियों से स्कूलों की शिक्षण सामग्री प्रभावित हो रही है और बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है।

बहादुरगढ़। चोरों द्वारा खंगाली गई अलमारी।

संदीप हत्याकांड में पुलिस के हाथ खाली

बहादुरगढ़। लाडपुर के निवासी संदीप की हत्या के मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। वारदात के तीन दिन बीत जाने के बाद भी हत्यारों का सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस की कई टीमें मामले में भागदौड़ कर रही हैं। जल्द ही वारदात सुलझाने की बात कही जा रही है। वारदात 17 जुलाई की रात को हुई थी। दरअसल, लाडपुर का निवासी संदीप उर्फ बबलू अपने एक परिचित मोनू के साथ गाड़ी में सवार होकर घर की ओर जा रहा था। जब वह गांव में मकान के नजदीक पहुंचा तो स्विफ्ट कार में सवार होकर आए बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में कई गोलियां लगने से संदीप की मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। मामले में परिजनों की ओर से किसी पर आरोप नहीं लगाया गया है। इसलिए मामला फिलहाल ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी बना हुआ है। हमलावर कौन थे, किसके कहने पर उन्होंने संदीप को मारा आदि सवाल बरकरार हैं। इन सवालों के जवाब खोजने के लिए बादली थाना, सीआईए सहित अन्य टीमें भागदौड़ कर रही हैं। विभिन्न पहलुओं को देखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उधर, पुलिस का कहना है कि जांच चल रही है और जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा।

सड़क पार करते समय हादसा, ट्रक की टक्कर से चांदपुर के पीटीआई की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

क्षेत्र के गांव कुलाना में हुई एक सड़क दुर्घटना के दौरान पीटीआई की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव चांदपुर निवासी करीब 52 वर्षीय मनोज पुत्र गोपीराम के तौर पर हुई है। मनोज मेवात के नूंह जिले के एक सरकारी स्कूल में पीटीआई के पद पर कार्यरत था। वह सप्ताहंत में अपने घर लौट आता था। यह हादसा उस समय हुआ जब मनोज शनिवार की शाम अपनी ड्यूटी से लौट कर घर आ रहा था। वह कुलाना चौक पर बस से उतर कर जब सड़क पार कर रहा था उसे एक ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मनोज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी संदीप ने बताया कि परिजनों के बयान पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मनोज का फाइल फोटो।

प्रशांत आर्य बने लैय्या बिरादरी सेवार्थ समिति के ऑडिटर

झज्जर। लैय्या बिरादरी सेवार्थ समिति की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। समिति के प्रधान उमेश नंदवानी ने समिति की बैठक का आयोजन किया। करीब एक पखवाड़े पूर्व हुई बैठक में नंदवानी को लगातार दूसरी बार समिति सदस्यों ने प्रधान चुना था। बैठक में सतीश धींगड़ा को महासचिव, सुभाष भाटिया, किशन सलूजा को उप प्रधान, अशोक सलूजा को सह सचिव, सन्नी अरोड़ा और राजेश आजाद को कोषाध्यक्ष, मनीष माटा और श्याम रेवड़ी को मंदिर इंचार्ज, सीए प्रशांत आर्य को ऑडिटर, सुरेंद्र अरोड़ा, प्रेम चावला, ओपी सलूजा, आशीष चावला, ओमप्रलकाश सलूजा, नरेंद्र पाहवा, चरणजीत खरबंदा, नरेश रेवड़ी, वीके शर्मा, कुलदीप शर्मा, सुधांशु हंस, संजय नारंग, विपिन शर्मा, बलदेव माटा को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया है। नव गठित कार्यकारिणी किशनचंद बत्रा, वीके नरूला, मुकेश चावला, नरेंद्र चावला, तिलकराज गोसाईं, जैसा राम सलूजा के संरक्षण में कार्य करेगी।

■ उमेश बताया कि 16 व 17 अगस्त को वार्षिकोत्सव होगा

अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की जान गई

झज्जर। शहर के रेवाड़ी रोड स्थित डाईवर्सन रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव अमादलपुर निवासी करीब 35 वर्षीय राजेंद्र पुत्र मूलचंद के तौर पर हुई है। राजेंद्र शहर में ई-रिक्शा चलाने का काम करता था। जब वह शाम को काम के बाद अपने घर लौट रहा था तो रेवाड़ी रोड डाईवर्सन पर उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद गंभीर रूप से घायल राजेंद्र को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले के जांच अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

झज्जर। पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

बहादुरगढ़ में हरियाली बढ़ाने की अलख जगा रहा क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट

सेक्टर-12 की ग्रीन बेल्ट में लगाए 450 से अधिक पौधे

- शहर में कई हरियाली साइट्स विकसित की जा चुकी हैं
- पौधारोपण अभियान में बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की भागीदारी रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट की पहल पर रविवार को शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सेक्टर-12 की ग्रीन बेल्ट में 450 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का अनमोल संदेश दिया। दरअसल, क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट बीते कई वर्षों से बहादुरगढ़ में हरियाली बढ़ाने की अलख जगा रहा है। उनके द्वारा शहर में कई हरियाली साइट्स विकसित की जा चुकी हैं।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाए गए सामूहिक प्रयास में वन विभाग, सार्थक सेवा समिति, क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट, सेक्टर-13 व सेक्टर-12 की आरडब्ल्यूए, ऑटो मार्केट एसोसिएशन, डीएमआरसी स्टाफ, वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय, अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी, भारत एकता सेवा समिति और पंडित श्री राम शर्मा मंच आदि संगठनों से जुड़े करीब 400 लोगों ने भाग लिया। पौधारोपण अभियान में बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की भागीदारी रही। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। वन विभाग की ओर से पौधे और गड्ढों की व्यवस्था की गई। सार्थक सेवा समिति द्वारा पौधों की सुरक्षा के लिए तारबंदी कराई गई। मौके पर मौजूद सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि भविष्य में भी इस तरह के सामूहिक अभियान चलाए जाते रहेंगे, ताकि बहादुरगढ़ को स्वच्छ, हरा-भरा और पर्यावरण अनुकूल शहर बनाया जा सके। ट्रस्ट के सक्रिय सदस्य वजीर दहिया, डॉ. अजय जैन व प्रदीप रेढू आदि ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य शहर को हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाना है। इसलिए इलाके में कई मिनी जंगल विकसित किए जा चुके हैं। अब ऑटो मार्केट के निकट सेक्टर-12 की ग्रीन बेल्ट को संवारने का बीड़ा उठाया है। ट्रस्ट पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए पौधों की देखरेख के लिए प्रेरित करते हैं।

बहादुरगढ़। सेक्टर-12 की ग्रीन बेल्ट को हरा-भरा बनाने में जुटे पर्यावरण प्रेमी।

बहादुरगढ़। ऑटो मार्केट के निकट पौधे लगाती स्वयंसेविकाएं।

ग्रामीणों ने उठाई मांग, एथेनॉल गैस प्लांट रुकवाएं विधायक

झज्जर। विधायक गीता भुक्कल को ज्ञापन सौंपते गोरिया गांव के ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव गोरिया में स्थापित होने वाले एथेनॉल गैस प्लांट को रुकवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को विधायक गीता भुक्कल को ज्ञापन सौंपा। सासरौली गांव में विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीणों ने कहा कि उनके गांव में एथेनॉल गैस प्लांट स्थापित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासन द्वारा चयनित भूमि गांव की आबादी से समीप है, जिससे बच्चों, बुजुर्ग और किसानों पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। ग्रामवासियों द्वारा लगातार इस प्रस्तावित एथेनॉल गैस प्लांट का विरोध जताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनका गांव पिछले करीब डेढ़ दशक से प्लांट प्रोजेक्ट के चलते प्रदूषण से प्रभावित है। अब एक और प्लांट लगने से प्रदूषण और अधिक बढ़ जाएगा, जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य, खेती और जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। इस मौके पर पूर्व सरपंच छज्जूराम, महावीर यादव, ओमप्रकाश, दाताराम यादव, भूपसिंह, लछीराम, हवासिंह, धर्मपाल, सतीश, रामकिशन, मनोज, भगत सिंह, रामेहर सिंह भी उपस्थित रहे।

साहित्य

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

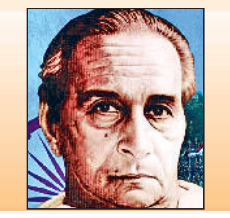

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई..

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रैक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता

महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता

पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नज़रों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे ज़ाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे

नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं ज़िन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

खुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

खुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेर: महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

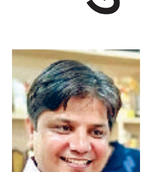

पुस्तक :द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। हवन में भाग लेते लोग।

बजरंग वाहिनी ने किया हवन

बहादुरगढ़। अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी ने शास्त्री नगर में प्रांत प्रमुख मनोज दून के नेतृत्व में यज्ञ का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रदीप सिन्हा ने की। जबकि दीपक प्रधान यजमान रहे। पुरोहित आचार्य विनय दलाल रहे। संगठन महामंत्री अनिल राठी, प्रवक्ता दिनेश, शंकर भारद्वाज, विनोद शर्मा, प्रमोद, मनीष, चंद्रकांत, प्रिंस, शमशेर, धर्मवीर, अजीत, पवन, डॉ. बनीता, मीता, कांता, सुरेश, रणधीर, कृष्णकांत आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

आईटीआई के सामने लगा 21वां कांवड़ सेवा शिविर

बहादुरगढ़। शहर के झज्जर रोड पर आईटीआई के सामने शिव भक्त प्रदीप जून व हरबीर जून द्वारा लगातार 21वें साल शिव कांवड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को हवन से विधिवत कैंप का शुभारंभ हुआ। हवन में प्रदीप जून, हरबीर जून, अरुण जून आदि श्रद्धालुओं ने आहुति डाली। इस मौके पर गुड्डू छिक्कारा, हनुमान भगत, महाराज शिवगिरी, जगदीश, ब्रह्मस्वरूप, यश जून, ढिल्लू जून, सुरेन्द्र जून, चिंकी दलाल, मोहित अहलावत व वेदपाल जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

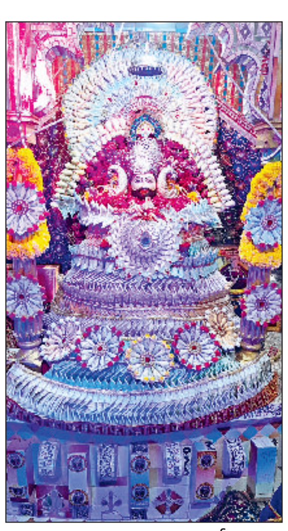
झज्जर। श्याम बाबा का आकर्षक दरबार। फोटो :हरिभूमि

श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया

झज्जर। हारे का सहारा मित्र मंडल द्वारा रविवार को प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में कीर्तन का आयोजन किया गया। कीर्तन की शुरुआत हनुमान चालीसा मंच द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ के साथ की गई। कीर्तन में दिल्ली से भजन गायक राहुल सांवरा ने दे-दे सांवरे मंदिर का कोना भजन के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया। गायक कलाकार राहुल द्वारा भक्तों की अरदास लगवाई गई। इसके अलावा भजन गायक कमल सक्सेना, रोहित सोलंकी, मीनाक्षी वर्मा, रजनीश हरित ने भी मधुर भजनों द्वारा श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। इस मौके पर मंडल सदस्य नितिन सिंगला, अमित कौशिक, कपिल यादव, सुनील धनखड़, काले गुर्जर, टिंकू वर्मा, सनी खुराना, बिट्टू कौशिक सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सड़कों पर बम भोले के जयकारे गूंज रहे, शिव रात्रि के चलते शहर में कांवड़ियों का आवागमन जारी

समय के साथ बदल रहा कांवड़ का स्वरूप विभिन्न आकर्षक रूपों और रंगों में लाई जा रही

- श्रद्धालु कांवड़िए 21 से लेकर 151 लीटर वजन वाली कांवड़ टोकनीनुमा पात्रों में भरकर ला रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शिव रात्रि के चलते शहर में कांवड़ियों का आवागमन जारी है। जिले भर में जगह-जगह आयोजित शिविरों में कांवड़िए थोड़ी देर या रात भर विश्राम करने के बाद अपने गंतव्य की ओर बढ़ जाते हैं। समय के साथ ही आजकल कांवड़ के स्वरूप भी बदल रहे हैं। अब कांवड़ियों द्वारा विभिन्न रूपों में कांवड़ लाई जा रही है।

कोई अपनी कांवड़ को पालकी का रूप दे रहा है तो कुछ कांवड़िए समूह के साथ शिव दरबार वाली रथ कांवड़ ला रहे हैं। कोई अपनी कांवड़ को शिवलिंग का रूप दे रहा है तो किसी ने भगवान शिव के प्रारूप को ही कांवड़ लिया है। इसके अलावा टोकनी नुमा कांवड़ों का चलन भी अबकी बार बढ़ा है। श्रद्धालु कांवड़िए 21 से लेकर 151 लीटर वजन वाली कांवड़ टोकनीनुमा पात्रों में भरकर ला रहे हैं। वजनी कांवड़ों में जहां समय अधिक लगता है वहीं यात्रा के दौरान कांवड़ियों को सहायता की जरुरत भी पड़ती है। रविवार को शहर की गुर्जर धर्मशाला में एक शिवभक्त भगवान के शिव के प्रारूप के साथ कांवड़ लेकर पहुंचा तो देखने वाले अंचभित हो उठे। रेवाड़ी जिला निवासी बिट्टू भगवान भोले की प्रतिमा को अपने कंधे पर बिठाए हुए था। उसी प्रतिमा की कमर में पवित्र गंगाजल बंधा था। इस प्रतिमा की आकृति कुछ इस प्रकार से थी कि उसे जब झुलाया जाना हो तो वह कुर्सी पर रखी जा सकती थी और लेकर चलना हो तो उसे कंधे पर बिठाया जा सकता है। सफर के दौरान ऐसा लगता था कि जैसे कोई भक्त स्वयं भगवान शिव को दोनों कंधों पर बिठाकर ले रहा है। बिट्टू ने बताया कि वे अपने साथी सीहा निवासी सूरज व पौता गांव निवासी प्रवीण के साथ चल रहे हैं। उन्होंने इसके बाद सुबाना गांव के रूपेश्वरधाम मंदिर में लगे शिविर में अल्पविराम लिया जहां श्रद्धालु रामकरण ने उनका अभिनंदन किया। इसी प्रकार रईया गांव के शिविर में रेवाड़ी जिले के बालधन खुर्द निवासी युवा समूह के साथ रथनुमा कांवड़ खींचते दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि यह उनकी चतुर्थ कांवड़ है। रेवाड़ी जिले के ही मांढइया गांव निवासी अजय, नितेश व इंद्रजीत हसनपुर व सुरेहती गांव के बीच पालकी कांवड़ लेते जाते हुए दिखाई दिए। उन्होंने पालकी में जहां भगवान शिव की प्रतिमा और पवित्र गंगाजल रखा था। उन्होंने बताया कि वे बीती ग्यारह जुलाई को हरिद्वार से कांवड़ लेकर चले थे।

झज्जर। भगवान शिव रूपी कांवड़ कंधे पर उठाए बुड़ौली निवासी बिट्टू, रथनुमा कांवड़ को खींचते हुए बालधन खुर्द की युवा मंडली, पालकी कांवड़ ले जाते हुए कांवड़िए। फोटो :हरिभूमि

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, लगाए विशेष नाके, निरंतर की जा रही गश्त

झज्जर। कांवडियों की सुरक्षा के लिए पुलिस अलर्ट है। जिलेभर में विशेष नाके लगाए गए है और पीसीआर व राईडर निरंतर गश्त कर रही है। इसके अलावा पुलिस कर्मी कांवड सेवा शिविरों में जाकर कांवड़ियों का हाल चाल भी पूछ रहे है। जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि शिवरात्रि पर्व को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में 17 पुलिस नाकों के साथ 25 डायल 112 और 54 राइडर लगाई गई हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी ना रहें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक चौक चौराहों पर यातायात पुलिस को तैनात किया गया। इसके अलावा कांवड़ शिविरों में पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कांवड़ियों से अपील करते हुए कहा कि सड़क के किनारे एक तरफ चलें और अगर कोई बात हो जाए तो गुस्सा ना करें शांतिपूर्ण ढंग से उसका निपटारा करें। पुलिस की हिदायतों की पालना करें और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों का सहयोग करें।

झज्जर। कांवड़ियों का हालचाल पूछते हुए पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। मीटिंग में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेते हुए नवनियुक्त पदाधिकारी।

एमपीएचई एसोसिएशन के राज्य सह सचिव बने सुखविंद्र सिंह

झज्जर। एपपीएचई एसोसिएशन द्वारा जिले के स्वास्थ्यकर्मी सुखविंद्र सिंह को राज्य सह सचिव नियुक्त किया गया है। एसोसिएशन के जिला सचिव आनंद कुमार ने बताया कि यह निर्णय नागरिक अस्पताल जींद में हुई राज्य कार्यकारिणी की बैठक में सर्व सम्मत्ति से लिया गया। इस मीटिंग में एसोसिएशन के जिला प्रधान प्रवीण कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक ने मीटिंग में आश्वासन दिया कि शीघ्र ही नॉर्म के अनुसार नए पद सृजित किए जाएंगे। हेल्थ इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने बताया कि आगामी 11 अगस्त को स्वास्थ्य कर्मी हर जिले पर कन्वेंशन करके जिला स्तर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सांसद और विधायकों को ज्ञापन सौंपेंगे। इसी कड़ी में झज्जर में 13 सितंबर को कन्वेंशन करके जिले के सभी सांसद व विधायकों को ज्ञापन दिए जाएंगे। अगर सरकार ने एमपीएच एसोसिएशन की मांगों को समय पर पूरा नहीं किया गया तो आगामी रणनीति बनाते हुए आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

हवन से कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के झज्जर रोड पर शिव मंदिर के निकट भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष राम अहलावत ने शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर का आयोजन किया। शिविर के शुभारंभ पर हवन हुआ। जिसमें भाजपा नेता दिनेश कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, पूर्व अध्यक्ष कर्मवीर राठी, पार्षद अमित कौशिक, विनोद कौशिक, राजू पहलवान, ऋषि भारद्वाज, मुकेश कौशिक, विक्की काजला, प्रवीण भारद्वाज, जसवंत, दर्शन, भानु, प्रियांशु, सुमित पहलवान आदि ने भी आहुति डाली।

बहादुरगढ़। कांवड़ शिविर के शुभारंभ पर हवन में आहुति डालते भाजपाई।

लाइनपार से हरिद्वार रवाना हुए कांवड़िए

बहादुरगढ़। लाइनपार से हरिद्वार के लिए रवाना होते कांवड़िए। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। सावन की शिवरात्रि में कांवड़ लाने के लिए लाइनपार स्थित वार्ड नंबर-8 के शिवभक्त हरिद्वार रवाना हुए। भाजपा मंडल प्रवक्ता विशाल शास्त्री ने प्राचीन शिव मंदिर से सभी डाक-कावड़ियों को रवाना किया। इस अवसर पर सोनू प्रधान, धर्मबीर प्रजापत, सुरेंद्र कटारिया, अंकुर, हर्ष, वीरेंद्र तिवारी, यश, सुमित व दीपक आदि मौजूद रहे ।

ओमेक्स में लगाए गए पौधे

बहादुरगढ़। ओमेक्स परिसर में पौधे लगाते पर्यावरण प्रेमी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

श्रीराम सेवा मंडल ओमेक्स सिटी के तत्वावधान में ओमेक्स सिटी के प्रवेश द्वार व मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल सदस्यों व ओमेक्स के वाशिंदों ने उत्साह से भाग लेकर करीब 150 पौधे लगाए। मंडल के प्रधान अतर सिंह ने पौधों का महत्व समझाया। कर्नल अनिल जून, विजय, जगन्नाथ, बलदेव, मनोज, नरेंद्र, विक्रम, प्रेमलता, पूनम, पूजा व अन्य इस मुहिम में शामिल रहे।

ब्रह्माकुमारियों ने जसौर गांव में मनाया रक्षाबंधन

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सेक्टर-2 सेवाकेंद्र द्वारा रविवार को जसौर गांव में रक्षाबंधन पर्व आध्यात्मिक उल्लास और गरिमामई वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ओम ध्वनि और परमात्मा स्मृति से हुई। बीके विनीता दीदी ने सभी का आत्मिक स्वागत करते हुए रक्षाबंधन के गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ को स्पष्ट किया। इस अवसर पर गांव के सरपंच व पंचों को ईश्वरीय स्मृति स्वरूप पौधे भेंट किए गए। साथ ही प्रकृति संरक्षण और आध्यात्मिकता का संदेश भी प्रसारित हुआ। बीके एंजेल दीदी ने परमात्मा द्वारा सुनाए जा रहे श्रेष्ठ महावाक्यों (मुरली) को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने अत्यंत श्रद्धा और आत्मिक भावना से राखी बंधवाई। सभी को प्रभु प्रसाद वितरित किया गया।

बहादुरगढ़। गांव जसौर में रक्षाबंधन का महत्व समझाती बीके विनीता दीदी। फोटो :हरिभूमि

कानूनी सहायता शिविर में ग्रामीणों को किया जागरूक

झज्जर। शिविर में पहुंचे लोगों को कानूनी परामर्श देते हुए विधि संकाय के शिक्षक।

- विधिक जागरूकता ग्रामीण सशक्तिकरण की नींव
- उनके संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं अपितु समाज के प्रति उत्तरदायित्व को निभाना भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय द्वारा रविवार को क्षेत्र के गांव खानपुर खुर्द में निःशुल्क कानूनी सहायता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधि संकाय के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए भूमि विवाद, पेंशन, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, विवाह-विच्छेद, उत्तराधिकार तथा श्रम कानून से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान सुझाया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विधिक जागरुकता ग्रामीण सशक्तिकरण की नींव है। उनके संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं अपितु समाज के प्रति उत्तरदायित्व को निभाना भी है। कार्यक्रम की संयोजक अवनिका शर्मा ने बताया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से जहां विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण मिलता है वहीं ग्रामीणों को भी उनके द्वार पर ही कानूनी सहायता उपलबध होती है। उनका प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक गांवों को इस पहल से जोड़ा जाए। कार्यक्रम में उपस्थित विधि संकाय के डीन एवं प्राध्यापकों ने ग्रामीणों को सरल भाषा में कानून की उपयोगिता समझाई और उनके प्रश्नों का उत्तर भी दिया। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह शिविर उनके लिए ज्ञानवर्धक और समस्या समाधान का सशक्त माध्यम बना।

सत्संग से ही होता है सकारात्मकता का संचार, मानव शरीर भगवान ने नाम जप करने के लिए दिया

अमृत के समान आत्मा को पोषण देता है सत्संग : महंत

- गुरु और संत हमेशा सेवा की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित करते है
- जीवन में जितना हो सके अधिक से अधिक भगवान का सिमरन करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सत्संग वह अमृत है जो आत्मा को पोषण देता है और जीवन में सकारात्मकता का संचार करता है। सत्संग से जुड़ते ही व्यक्ति का आत्मबल बढ़ता है। गुरु और संत हमेशा सेवा की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित करते है। सत जिंदा कल्याणा आश्रम कलानौर के गद्दीनशीन मंहत खुशहाल दास ने यह बात रविवार को सत जिंदा कल्याणा सेवा समिति झज्जर द्वारा पंजाबी धर्मशाला में आयोजित सुंदरकांड पाठ के बाद अपने प्रवचनों के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जीवन में जितना हो सके अधिक से अधिक भगवान का सिमरन करना चाहिए। मानव शरीर भगवान ने नाम जप करने के लिए दिया है इसलिए सभी को भगवान का सिमरन करना चाहिए। इस दौरान समिति की ओर से झंग सभा के प्रधान कृष्ण लाल शर्मा, हरीश पाहवा ने स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्ण चंद सुनेजा, गुलशन शर्मा, विनीत पोपली, आशीष पोपली, बिट्टू छाबड़ा, हरबंस पोपली, वीरेंद्र खुराना, जगदीश गेरा, डॉक्टर रवि किरण मदान, आशा तनेजा, प्रताप गेरा, मनोज तनेजा, रोहित बतरा, ओमप्रकाश, गुलशन सतीजा, टोनी पाहवा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस मौके पर समाज सेवा में उत्कृष्टता से कार्य करने वाले विनीत पोपली और हाल ही में सरकार द्वारा मनोनीत हुए नप पार्षद कमल गिरोत्रा उर्फ बिट्टू को सम्मानित किया गया।

झज्जर। पंजाबी धर्मशाला में सुंदरकांड का पाठ श्रवण करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

पार्षद सचिन दलाल के दादा का निधन

बहादुरगढ़। वार्ड-17 के पार्षद सचिन दलाल के दादा सदाराम दलाल के निधन पर विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने शोक जताया है। स्व. सदाराम दलाल 90 वर्ष के थे। शनिवार 19 जुलाई को उनका निधन हो गया था। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी रस्म तेरहवीं आगामी 28 जुलाई को गांव मांडोठी के कबोसिया पाना स्थित निवास स्थान पर होगी। शहर के पार्षदों, विभिन्न राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने स्व. सदाराम दलाल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बहादुरगढ़। रेलवे रोड पर किया जा रहा पौधा वितरण। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण के लिए बांटे दो हजार पौधे

बहादुरगढ़। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेलवे रोड स्थित एक क्लीनिक पर पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। चिकित्सकों ने लोगों दो हजार पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. मंयक गुप्ता व डॉ. उज्वल गुप्ता, मोनिका गुप्ता, श्वेता गुप्ता व सुनील आदि ने इस कार्यक्रम में सेवाएं दीं। आईएमए बहादुरगढ़ के पूर्व प्रधान डॉ. पवन गुप्ता व उनकी पत्नी आशा रानी ने कहा कि दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होते जा रहे पर्यावरण को पेड़-पौधे लगाकर काफी हद तक बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जामुन, अमरुद, नींबू, आंवला, गुलमोहर, बेल पत्र, तुलसी, शीशम, नीम, गुडहेल, गुलाब आदि फलदार, छायादार और सजावट के पौधे वितरित किए गए हैं।

झंग सभा ने नव नियुक्त पार्षद का किया सम्मान

झज्जर। स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नव नियुक्त मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा उर्फ बिट्टू का झंग सभा की ओर से सम्मानित किया गया। सत जिंदा कल्याणा आश्रम कलानौर के गद्दीनशीन महंत खुशहाल दास महाराज ने शॉल ओढ़ा कर आशीर्वाद दिया, वहीं झंग सभा के प्रबुद्धजनों ने फूलमाला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कमल गिरोत्रा ने कहा कि समाज की ओर से जो उन्हें मान सम्मान मिल रहा है।

बहादुरगढ़। रोहित मान को नोटों की माला पहनाकर सम्मानित करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

गोल्ड मेडल जीतने पर रोहित का स्वागत

विधायक राजेश जून ने प्रतिभावान खिलाड़ी रोहित मान को 11 हजार रुपए के नोटों की माला पहनाकर सम्मानित किया

■ खिलाड़ी कुश्ती और अन्य खेलों में पदक जीतकर बहादुरगढ़ का नाम देश व दुनिया में रोशन कर रहे हैं: विधायक जून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

किर्गिस्तान में हुई अंडर-15 एशियाई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर लौटे खिलाड़ी रोहित मान का रविवार को गांव सिद्दीपुर लोवा में अभिनंदन किया गया।

विधायक राजेश जून ने भी रोहित मान को 11 हजार रुपए के नोटों की माला पहनाकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के खिलाड़ी कुश्ती सहित सभी खेलों में पदक जीतकर बहादुरगढ़ का नाम देश व दुनिया में रोशन कर रहे हैं। अभिभावक भी अपने बच्चों को शिक्षा के साथ खेलों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने रोहित के परिजनों व कोच को भी बधाई दी।

बहादुरगढ़। पोडियम पर अन्य विजेताओं के साथ मधु कुमारी। फोटो : हरिभूमि

बॉक्सिंग में मधु कुमारी ने सिलवर मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

छत्तीसगढ़ में हुई नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए झज्जर की मधु कुमारी ने सिलवर मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही मधु ने अबू धाबी में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए अपना चयन सुनिश्चित कर लिया है। 16 से 20 जुलाई तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्थित बलबीर सिंह इंडौर स्टेडियम में यह नेशनल चैंपियनशिप हुई, जिसमें देशभर के 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मधु पुत्री रामालाल ने 55 केजी वर्ग में दमखम दिखाते हुए सिलवर मेडल जीता। मुख्य अतिथि विष्णु देव साईं, राज्य सभा सांसद डॉ. रमन सिंह, भारतीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष संतोष कुमार, खेल मंत्री छत्तीसगढ़ रेखा कांडे, छगनलाल आदि ने मधु को जीत की बधाई दी। कोच जसवंत ने कहा कि नेशनल में जीत के साथ ही मधु ने वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए जगह बना ली है।

प्रोकेम इंटरनेशनल ने किया धावकों का सर्वे जीवनशैली में आए परिवर्तनों पर चर्चा की

बहादुरगढ़। प्रोकेम इंटरनेशनल की टीम बहादुरगढ़ पहुंची और बीआरजी से जुड़े धावकों पर विस्तृत सर्वेक्षण किया। टीम ने धावकों से फिटनेस के प्रति उनके दृष्टिकोण, मानसिक व शारीरिक लाभ, नशा मुक्ति और जीवनशैली में आए परिवर्तनों पर चर्चा की। बीआरजी के धावकों ने नोएडा मॉनसून रन में भी दबदबा साबित करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। गुलाब सिंह ने 10 किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान, ललिता पांडे ने 21 किलोमीटर में तीसरा, राजेंद्र ने 5 किलोमीटर 50 प्लस आयुवर्ग में पहला स्थान, राजेश कुमार ने दूसरा स्थान और अशोक कुमार ने 60 प्लस कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया। प्रोकेम के प्रेजिडेंट डॉ. केविन ने बताया कि बीआरजी लोगों को नई ऊर्जा से भरपूर जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रहा है। ग्रुप संयोजक दीपक छिल्लर ने बताया कि हर रविवार सुबह साढ़े 5 बजे से इंटरवल रनिंग, पेसिंग, फिटनेस टिप्स, स्ट्रेचिंग व न्यूट्रिशन से जुड़ी विशेष क्लासेस आयोजित हो रही हैं। इसमें प्रवीन सांगवान, रविंद्र दहिया, राजेश दहिया, संजय दहिया, संजय दत्त भगत, शरनाम सिंह, अंगद सिंह, आर्यिका, अभिनव, निरंजन, अमनदीप, कपिल, भोज राज आदि भाग ले रहे हैं।

दहकोरा के स्कूल में लगाए पौधे

बहादुरगढ़। स्कूल परिसर में पौधे लगाते शिक्षक।

बहादुरगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दहकोरा में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान कविता ने की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। इस पुण्य कार्य में विद्यालय प्रभारी सुभाष, अध्यापक जोगेंद्र, अंजू, रजनी, पंकज, प्रिया आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाएगी ताकि वे एक दिन घने वृक्ष बनकर पर्यावरण की रक्षा कर सकें। सरपंच कविता ने ग्रामीणों और विद्यार्थियों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

छारा में ग्रामीणों ने लगाए पौधे

बहादुरगढ़। रविवार को गांव छारा में राजेंद्र दास जी महाराज द्वारा एक पेड़ मां के नाम और मेरा पेड़ मेरा संरक्षण अभियान के तहत 500 पौधे लगाए गए। पौधारोपण में पूर्व जिला पार्षद संजय, नीरू, जयभगवान, धर्मेंद्र, प्रमोद, प्रवीन, प्रदीप, कुक्कू, मनीष व सौरभ आदि ग्रामीणों ने गांव छारा में पौधे लगाए।

ग्रामीणों को बताए नशे के दुष्प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नशे के विरुद्ध पुलिस की ओर से जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है। इसी के तहत रविवार को महिला थाना प्रबंधक और नशा मुक्ति अभियान की टीम गांव लडरावण में पहुंची। गांव में बैठकें कर लोगों को नशे के दुष्प्रभाव बताए गए। एसआई सत्यप्रकाश ने भी लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करते पुलिस अधिकारी।

महिला थाना प्रभारी नीलम ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर समस्या है। इसे मिटाने के लिए जन आंदोलन की आवश्यकता है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने गांव, मोहल्ला तथा वार्ड की जिम्मेदारी लेगा, तभी इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। माता-पिता को भी अपने बच्चों की दैनिक गतिविधि पर ध्यान रखना चाहिए और उन्हें शिक्षा खेल-कूद तथा सामाजिक हित की गतिविधियों में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आपके आसपास में कोई व्यक्ति नशा करता है तो उसे नागरिक अस्पताल में काउंसलिंग करवा कर दवाई दिला सकते हो।

शिष्टाचार व आत्मानुशासन दिवस मनाया

बहादुरगढ़। फाउंडेशन पब्लिक स्कूल में शिष्टाचार एवं आत्मानुशासन दिवस का आयोजन उत्साह के साथ सकारात्मक वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में अच्छे व्यवहार, शिष्टाचार, अनुशासन और आत्मनियंत्रण जैसे नैतिक मूल्यों को जाग्रत किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः कालीन प्रार्थना सभा से हुई। विद्यालय की कक्षा चौथी के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। नैतिक कहानियों का मंचन, अनुशासन परआधारित भाषण, कविता और नाटक ने विद्यार्थियों को प्रभावित किया। छात्रों ने शिष्टाचार से जुड़े कृपया, धन्यवाद, माफ कीजिए व सुप्रभात जैसे शब्दों के प्रयोग का अभ्यास किया। साथ ही विद्यालय परिसर में अनुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। स्कूल निदेशक हर्षदीप राठी ने प्रेरणादायक भाषण में सदाचार और आत्मअनुशासन को जीवन की सफलता की कुंजी बताया। सभी विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे सदैव शिष्टाचार व आत्मअनुशासन के मार्ग पर चलकर एक आदर्श समाज का निर्माण करेंगे।

झज्जर। परिवार के साथ पौधरोपण करते हुए प्रबंधक केएम डागर।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

झज्जर। पर्यावरण सरंक्षण को लेकर चलाए जा रहे पौधारोपण अभियान में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक भी अभियान को गति दे रहे हैं। रविवार को एलए स्कूल के प्रबंधक केएम डागर ने एक पेड़ मां के नाम मुहिम को आगे बढ़ाते हुए परिवार के साथ पौधरोपण किया। डागर ने कहा कि बच्चे वहीं सीखते हैं जो अध्यापक उन्हें सिखाता है। इसलिए सभी अध्यापकों को भी चाहिए वे अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करें ताकि विद्यार्थी उनसे सीख लेते हुए अभियान में बढ़ चढ़ कर भाग लें। इस मौके पर उनके पुत्र विकास , पुत्रवधु मीनू, बेटी सुमन, बेटी लविश, पौत्र जैविक आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दांतों के प्रकारों की जानकारी दी

■ श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लडरावण में स्थित श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अनेक गतिविधियां कराई गई। संतुलन, दंत और गणित प्रश्नोत्तरी गतिविधि आकर्षण का केंद्र रहीं। संतुलन गतिविधि में शरीर के संतुलन और समन्वय में सुधार करने में मदद करने वाले विभिन्न प्रकार के व्यायाम और खेल शामिल किए गए। जिसमें एक पांव पर खड़े होना, एक रेखा पर चलना और कूदना शामिल रहा। दंत गतिविधि में ब्रश करना, फ्लॉस करना और स्वस्थ आहार लेना आदि के बारे में बताया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को दांतों के विभिन्न प्रकार, उनकी संरचना और कार्य के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान गणितीय प्रश्नों को हल करना भी सिखाया गया। स्कूल संचालक अभिषेक छिल्लर ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है। विद्यार्थियों को पढ़ाने का यह सबसे आसान और बेहतर तरीका है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इस प्रकार की गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

हरकिशन दहिया बने रहेंगे क्लब प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को शहर के सेक्टर-6 में सीनियर सिटीजन क्लब की आम सभा की बैठक हुई। हरस्वरूप रूहिल की अध्यक्षता में हुई बैठक में एक तरफ जहां क्लब की आर्थिक मदद करने के लिए विधायक राजेश जून का आभार प्रकट किया गया। वहीं सर्वसम्मति से प्रधान हरकिशन दहिया को एक साल का विस्तार दिया गया।

सेक्टर-6 में स्थित सीनियर सिटीजन क्लब में रविवार को आम सभा की बैठक हुई। सरकार की तरफ से क्लब की आर्थिक मदद करवाने के लिए सबसे पहले विधायक राजेश जून का ध्वनिमत से धन्यवाद प्रस्ताव पास किया गया।

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करते सीनियर सिटीजन क्लब के सदस्य।

इसके उपरांत बैठक में चर्चा करते हुए वरिष्ठ नागरिकों ने क्लब के प्रधान हरकिशन दहिया के कार्यकाल की सराहना की।

बैठक में हरकिशन धनखड़, जयपाल सांगवान, सतनारायण देशवाल, राजेंद्र दलाल, सुरेश अहलावत, किशोरीलाल गुप्ता, तेजा पहलवान, महावीर शर्मा, इंद्र गोयत व पवन हुड्डा आदि ने अपने विचार रखे। सभा अध्यक्ष हरस्वरूप रूहिल ने एक साल के लिए हरकिशन दहिया के कार्यकाल को सेवा विस्तार देने का प्रस्ताव रखा। जिसे बैठक में मौजूद सभी वरिष्ठ नागरिकों ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। एक साल के लिए सेवा विस्तार मिलने पर प्रधान हरकिशन दहिया ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

भाजपा नेता बोले-लंबे समय से की जा रही थी मांग

कौशिक ने लोहारहेड़ी में 8 लाख में बनी फिरनी का किया उद्घाटन

बहादुरगढ़। भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने रविवार को लोहारहेड़ी गांव में 8 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार हुई फिरनी वाली सड़क का उद्घाटन किया। दिनेश कौशिक ने सरपंच रानी देवी व अश्वनी समेत ग्रामीणों के साथ नारियल फोड़कर सड़क का उद्घाटन किया।भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने कहा कि गांव के लोगों की लंबे समय से फिरनी को पक्का करने मांग कर रहे थे। बरसात के दिनों में कच्ची सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता था। अब पक्की सड़क बनने से लोगों का आवागमन सुगम होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गांव-गांव में मूलभूत सुविधाएं पहुंचा रही है। डबल इंजन सरकार शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विकास पर पूरा ध्यान दे रही है। इस अवसर पर सुरेंद्र प्रधान, मंडल अध्यक्ष सुदेश रंगा, रणधीर दहिया, रणधीर, सुरेश, महेंद्र, दयानंद, आनंद, पप्पू, दिलबाग, देवेंद्र, अनिल, नरेश देवी, कृष्णा देवी व सुशीला देवी आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बैठक में प्लास्टिक का विरोध करते भाविप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद ने बैठककर की प्रकल्पों के विस्तार पर चर्चा

बहादुरगढ़। रविवार को भारत विकास परिषद बहादुरगढ़ शाखा में क्षेत्रीय संयोजक (पर्यावरण) अशोक गुप्ता का प्रवास रहा। शहर के ब्रहमशक्ति संजीवनी अस्पताल परिसर में आयोजित बैठक में भाविप के पदाधिकारियों ने भाग लिया। भाविप की बैठक में विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। क्षेत्रीय संयोजक अशोक गुप्ता ने कहा कि शाखा समाज में अधिक से अधिक ऐसे कार्य करें, जिससे समाज में अधिकतम संस्कारों का सृजन हो सके। उन्होंने परिषद की सदस्यता, सेवा और संस्कार के कार्यों में वृद्धि करने और स्थाई प्रकल्प के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने परिषद के उदेश्यों की पूर्ति के लिए और अधिक प्रयास करने तथा परिषद की रीति नीति के अनुसार कार्य करने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी, जिला समन्वयक सतीश शर्मा, ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा, अध्यक्ष रमेश गुप्ता, सचिव विजय पुन्हानी, कोषाध्यक्ष एमएस भाटी, सेवा संयोजक रमेश सुखीजा, पूर्व अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक व दीपक पंवार आदि उपस्थित रहे।

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF MAA KAAMAL FOUNDATION
DR. S.K. SAINI Director
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
फीस में 50% की विशेष छूट सभी के लिए सीमित समय के लिए
पहले आयें-पहले पायें। छात्रावास सुविधा। रविवार खुला है
DIPLOMA IN G.N.M. (MALE/FEMALE)
योग्यता :- 12th (किसी भी विषय में)
अवधि :- $3\frac{1}{2}$ वर्ष | कुल सीटें :- 60
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफ लाईन दोनों मोड में।
आजही अपने प्रमाण पत्रों के साथ आकर मिलें।
अतिशिघ्र आवश्यकता है:-
•G.N.M. -20
•MEDICAL LAB. TECH.-20
जो थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों करवा सके।
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221